नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

क्या कर्जे के जाल में फंस रहा है देश?

क्या हमारा देश कर्ज की जाल में फंस रहा है.यह देश के नीति निर्धारकों के लिए गंभीर प्रश्न है. चिंता यह है कि देश में घरेलू कर्ज़ की बढ़ोतरी रुक नहीं रही है. कर्ज के ये आंकड़े ज्यादा पुराने नहीं हैं,दिसंबर 2023 में घरेलू कर्ज अपने सर्वाधिक स्तर पर पहुंच चुका है और सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में पारिवारिक ऋण का अनुपात 40 प्रतिशत हो गया है. यह सब हाल के वर्षों में हुआ है. पारिवारिक कर्ज में बढ़ोतरी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत नहीं है. वित्तीय सेवाएं मुहैया कराने वाली एक प्रतिष्ठित कंपनी की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि दिसंबर 2023 में घरेलू कर्ज अपने सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गया. सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में पारिवारिक ऋण का अनुपात 40 प्रतिशत हो गया है. साथ ही, जीडीपी में पारिवारिक बचत का अनुपात लगभग पांच प्रतिशत रह गया है, जो ऐतिहासिक रूप से सबसे कम है.

भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले वर्ष सितंबर में बताया था कि परिवारों की बचत का अनुपात वित्त वर्ष 2022-23 में 5.1 प्रतिशत हो गया, जो 47 वर्षों में सबसे कम है. यह सही है कि बचत कम कर और कर्ज लेकर बहुत से लोग परिसंपत्तियां या उपभोक्ता वस्तुएं खरीदते हैं. ऐसे लोग भविष्य में अपनी आमदनी को लेकर आश्वस्त रहते हैं या उन्हें अपने निवेश से लाभ होने की आशा रहती है. लेकिन विभिन्न आंकड़ों के साथ बचत में कमी और कर्ज बढ़ने के मसले को देखें, तो चिंताजनक तस्वीर उभरती है.

वित्त वर्ष 2022-23 में घरेलू कर्ज जीडीपी के 38 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया था. इससे अधिक आंकड़ा केवल 2020-21 में रहा था, जो कि महामारी की भयावह मार का साल था. हालिया रिपोर्ट में यह रेखांकित किया गया है कि घरेलू कर्ज में वृद्धि में सबसे प्रमुख हिस्सा पर्सनल लोन का है. उल्लेखनीय है कि ऐसे लोन में ब्याज की दर भी बहुत अधिक होती है. माना जाता है कि पर्सनल लोन बहुत मजबूरी में ही लोग लेते हैं. क्रेडिट कार्ड से खर्च और डिफॉल्ट में भी वृद्धि हो रही है. रिजर्व बैंक पहले ही असुरक्षित कर्जों के बारे में बैंकों को सचेत रहने की सलाह दे चुका है.

हालांकि आर्थिक विकास की वृद्धि दर उत्साहजनक है, लेकिन आमदनी में बढ़ोतरी अपेक्षा के अनुसार नहीं है. महंगाई की वजह से भी परिवारों पर दबाव बढ़ा है. मुद्रास्फीति के मोर्चे पर कुछ राहत मिली है, पर रिजर्व बैंक ने बार-बार कहा है कि बढ़ता कर्ज अभी भी चिंता का कारण बना हुआ है. इसी कारण से हालिया मौद्रिक समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती नहीं की गयी है. चूंकि आमदनी में बढ़त धीमी है, तो उसका असर उपभोग पर पड़ना स्वाभाविक है. वित्त वर्ष 2023-24 में पारिवारिक निवेश और निजी उपभोग दोनों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गयी है. यदि बचत बढ़ाने, असुरक्षित कर्ज घटाने तथा उपभोग बढ़ाने पर समुचित ध्यान नहीं दिया गया, आर्थिक स्थिरता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है. आर्थिक विकास का लाभ आबादी के अधिकाधिक हिस्से तक पहुंचे. इस दिशा में ठोस प्रयासों की आवश्यकता है. बचत और कर्ज में संतुलन बनाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए. इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकारें भी जिस तरह से अपने कथित वादे पूरे करने के लिए कर्ज ले रही हैं वह भी चिंता का विषय है. यह चिंता जनक है की कुल जीडीपी का 40 फ़ीसदी हिस्सा कर्ज का हो गया है. यह गंभीर चेतावनी है इस पर ध्यान देने की जरूरत है तथा देश को कर्ज के जाल से मुक्त करने के लिए ठोस नीति और कठोर निर्णय लेने की भी जरूरत पड़ेगी. इस मामले में अब सरकार से अपेक्षा रहेगी.

मालवा- निमाड़ की डायरी

अरुण की चुनाव से दूरी का कारण बनी अवहेलना

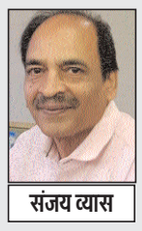
संजय व्यास

पूर्वी निमाड़ में भाजपा का गढ़ बन चुका खंडवा संसदीय क्षेत्र लोक सभा चुनाव को लेकर चर्चा में है. इसका कारण निमाड़ के लोकप्रिय कांग्रेसी नेता पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अरुण यादव हैं. यहां से हर बार लोक सभा चुनाव में टिकट के अभिलाषी रहते आए अरुण की इस बार यहां से चुनाव लडने के प्रति बेरुखी का विषय लोगों की जबान पर है. गत उपचुनाव में कमलनाथ के रवैये से परेशान होकर अरुण यादव चुनावी दौड़ से बाहर हो गए थे. अपनी उपेक्षा से ऐसे उखड़े कि प्रदेश की राजनीति से किनारा करना ही उचित समझा. इसीलिए केंद्रीय सियासत में जाने के लिए हाल के राज्य सभा चुनाव टिकट में रूचि दिखाई थी, पर दाल नहीं गली. लोक सभा चुनाव 2024 की घोषणा के साथ ही उन पर पार्टी का खंडवा से चुनाव लडने दबाव बनने लगा था, लेकिन अब तक होती आई अवहेलना के दृष्टिगत उन्होंने प्रत्याशी बनने से इनकार कर दिया और अपने समर्थक नरेंद्र पटेल की पैरोकारी कर उन्हें टिकट दिलवा दिया.

इस चुनाव में अरुण ने नरेंद्र पटेल के प्रचार की जिम्मेवारी उठाने की बात तो कही है, पर यह भी सच है कि वे आज भी अपने शैक्षणिक संस्थानों के कामकाज तक ही सिमट कर रह गए हैं.

क्या पटेल परचम फहराएंगे?

खंडवा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र पटेल को बनाए जाने के बाद से भाजपा उत्साहित है और पार्टी अपने प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल की जीत आसान मान कर चल रही है. नरेंद्र पटेल अपना पहला चुनाव अभी बड़वाह विधान सभा सीट से लड़े थे, मगर वह भी जीत नहीं पाए. भाजपाई कह रहे हैं कि जब पटेल खंडवा संसदीय क्षेत्र की एक विधान सभा में मात खा गए तो 8 विधान सभा में क्या गुल खिलाएंगे. खंडवा संसदीय क्षेत्र में खण्डवा, मान्धाता, पंधाना, बुरहानपुर, नेपानगर, बड़वाह, भीकनगांव, बागली विधान सभाएं आती हैं. इनमें भीकनगांव पर कांग्रेस का कब्जा है तो शेष 7 सीटें भाजपा के खाते में हैं. खरगोन के पूर्व सांसद ताराचंद पटेल के भतीजे के तौर पर पहचाने जाने वाले नरेंद्र पटेल सहकारी नेता स्व. सुभाष यादव परिवार के सपोर्ट पर मैदान में हैं. इस लोकसभा चुनाव में जीत को लेकर उनका मनोबल इसलिए बढ़ा हुआ है कि हाल के विधान सभा चुनाव में कुछ विधानसभा में बहुत कम अंतर से हार जीत हुई थी. लोक सभा उपचुनाव की बात करें तो बहुत कम अंतर से भाजपा (ज्ञानेश्वर पाटिल) ने जीत दर्ज की थी. यही वजह है कि पटेल मान रहे हैं कि वे अपनी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत वोटों का अंतर कवर करने के साथ बढ़त भी लेंगे व सीट पर जीत का परचम भी फहराएंगे.

असहयोग की जकड़ में मालवीय

शाजापुर- देवास लोक सभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार राजेंद्र मालवीय का मुकाबला भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सिंह सोलंकी से है. सोलंकी देवास जिले से हैं तो मालवीय इंदौरवासी हैं. ऐसे में राजेंद्र मालवीय बाहरी प्रत्याशी - स्थानीय प्रत्याशी के सवाल पर पहले ही घिरे हुए थे, उपर से उन्हें प्रचार में नेताओं के असहयोग का सामना करना पड़ रहा है. इस कारण उनका चुनाव प्रचार अभियान गति नहीं पकड़ पा रहा. कांग्रेस की आपसी गुटबाजी और नेताओं का अपने-अपने आकाओं के क्षेत्र में जाना कांग्रेस के लिए देवास-शाजापुर संसदीय क्षेत्र का चुनाव किसी चुनौती से कम नहीं है. शुजालपुर से दो चुनाव हारने वाले महेंद्र जोशी, भोपाल संसदीय क्षेत्र के प्रभारी हैं, जबकि शाजापुर उनका गृह जिला है, लेकिन वे शाजापुर की जगह भोपाल संसदीय क्षेत्र के प्रभारी बनाए गए हैं. कालापीपल के पूर्व विधायक कुणाल चौधरी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ अधिकांश समय प्रदेश के दौरे पर हैं. और जो कांग्रेसी थे, उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर ली. अब देवास में सज्जनसिंह वर्मा और शाजापुर में हुकुमसिंह कराड़ा व रामवीरसिंह सिकरवार कांग्रेस की जीत की रणनीति में लगे हुए हैं. अब देखना यह है कि इस बार का लोकसभा चुनाव कोई चमत्कार दिखा पाता है या फिर औपचारिकता बनकर रह जाता है.

तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका

अब ईरान-इजरायल के बीच ठन गई

एक छोटी सी चिंगारी को दावानल बनते देर नहीं लगती. पहले भी छोटी प्रतीत होने वाली लड़ाइयां बढ़कर महाविनाशक विश्व युद्ध में बदलती देखी गई. 1914-17 का प्रथम विश्वयुद्ध हो या 1939-45 का सेकंड वर्ल्ड वार, मानवता के लिए कलंक रहे हैं. जब राजनेता विवेक खोकर खून के प्यासे हो जाते हैं तो युद्ध को टाला नहीं जा सकता. आज का वैश्विक परिदृश्य सचमुच चिंताजनक है.

एक ओर रूस-यूक्रेन युद्ध 1 वर्ष से भी अधिक समय से जारी है जिससे जन-धन की भारी क्षति हुई है वहीं दूसरी ओर इजराइल का संघर्ष सिर्फ हमास व फिलिस्तीन तक सीमित न रहकर ईरानी आतंकी संगठन हिजबुल्लाह से भी होने लगा है. मध्य-पूर्व की यह लड़ाई यदि और भड़की तो दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर जा सकती है. इजराइल तो अमेरिका के कहने पर भी मान नहीं रहा और हमास को पूरी तरह नेस्तनाबूत करने पर तुला हुआ है. ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी जंग में 22,000 भारतीय फंसे हुए हैं,

इजराइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि यदि ईरान ने हमला किया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. इजराइल हाई अलर्ट पर है. क्षेत्र में तनाव तथा मिसाइल हमलों की आशंका देखते हुए भारत, फ्रांस, जर्मनी, रूस, पोलैंड, आस्ट्रेलिया ने अपने विमानों को ईरान की वायुसीमा से दूर रहकर उड़ने को कहा है.

जिस पर भारत ने गहरी चिंता जाहिर की है.

हिजबुल्ला ने रॉकेट दागे

ईरान समर्थित आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल पर 40 रॉकेट दागे लेकिन हमास के अचानक किए गए हमले से सीख ले चुके इजरायल आयरन डोम, एरो व पैट्रियाट मिसाइल ने इस हमले को नाकाम कर दिया. इजराइल पर किलर ड्रोन और सैकड़ों मिसाइल दागने के बाद ईरान कहता है कि हमारा बदला पूरा हो गया.खुद शरारत करने के बाद अब ईरान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 का उल्लेख करते शांति की गुहार लगा रहा है. उसे डर लगता रहा है कि इजराइल की मदद करते हुए कहीं अमेरिका ईरान पर न टूट पड़े. इजराइल पर ईरानी हमले के बीच जॉर्डन ने अपने यहां आपातकाल लागू कर दिया है. उधर अमेरिका को भी लग रहा है कि इस चुनाव वर्ष में इजराइल उसे मध्य-पूर्व की जंग में खींचना चाहता है. अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को फटकार लगाई है कि वह तनाव भड़कने न दें.

अमेरिका ने भी कमर कसी

अमेरिका ने अपने 2 युद्धपोत भूमध्य सागर में तैनात करते हुए मिडिल ईस्ट के अमेरिकी फौजी ठिकानों पर अपने सैनिकों की तादाद बढ़ा दी है. अमेरिका ने दोहराया कि वह अपने सहयोगियों की मदद के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा. इजराइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि यदि ईरान ने हमला किया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. इजराइल हाई अलर्ट पर है. क्षेत्र में तनाव तथा मिसाइल हमलों की आशंका देखते हुए भारत, फ्रांस, जर्मनी, रूस, पोलैंड, आस्ट्रेलिया ने अपने विमानों को ईरान की वायु सीमा से दूर रहकर उड़ने को कहा है तथा अपनी उड़ानें ड्राइवर्ट की हैं.

हूती विद्रोहियों का खतरा

हुती विद्रोही ईरानी मिसाइलों के दम पर लाल सागर में मजबूत हैं. इन विद्रोहियों को अल कायदा, आईएसआईएस तथा अन्य जेहादी गुटों का समर्थन प्राप्त है. हूती ने अब तक अपने 100 से ज्यादा हमलों में 35 से अधिक देशों के व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया है. भारतीय व्यापारिक जहाजों को भी उन्होंने नहीं छोड़ा. इनके हमलों की वजह से स्वेज नहर में कमर्शियल जहाजों की आवाजाही में भारी गिरावट आई है. केप ऑफ गुड होप से घूमकर जाने से जहाजों को 15-20 दिन ज्यादा लगते हैं और लागत भी बहुत बढ़ गई है. इससे निर्यात प्रभावित हुआ है.

बॉर्नविटा जैसे चीनी युक्त प्रोडक्ट 'हेल्थ ड्रिंक' नहीं

ई-कामर्स कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म से हटाने का निर्देश

पहले लोग अच्छे स्वास्थ्य के लिए परंपरागत पेय जैसे दूध, लस्सी, फलों का रस, आंवला ज्यूस, गाजर चुकंदर के जूस आदि का सेवन किया करते थे लेकिन आज कल हेल्थ ड्रिंक कहलाने वाले प्रोडक्टस का प्रचलन बढ़ गया है. खास तौर पर बच्चों के अलावा जिम जानेवाले या सेहत की विशेष फिक्र करनेवाले ऐसे पेयों का उपयोग करते हैं जिन्हें हेल्थ ड्रिंक कहा जाता है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने देश की सभी ई-कामर्स कंपनियों को बॉर्नविटा समेत कई कंपनियों के पेय पदार्थों को अपने प्लेटफार्म के हेल्थ ड्रिंक सेक्शन से हटाने का निर्देश दिया है. बच्चों के

अधिकारों की रक्षा के लिए बने आयोग के तहत निर्मित समिति ने जांच के बाद कहा कि एफएसएस (फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड) अधिनियम 2006 में हेल्थ ड्रिंक की कोई परिभाषा नहीं की गई है. फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्डस अथारिटी आफ इंडिया ने कहा कि कानून के अंतर्गत एनर्जी ड्रिंक्स केवल सुगंधित जल आधारित पेय पदार्थ हैं. इन्हें हेल्थ ड्रिंक कहकर उपभोक्ताओं को गुमराह किया जा रहा है. सरकार का यह फैसला फिटनेस ड्रिंक ब्रांड्स को करारा झटका है. अब सारी ई-कामर्स कंपनियों और पोर्टल को बॉर्नविटा समेत सभी तरह के डेयरी, खाद्यान्न या माल्ट आधारित ड्रिंक्स और बेवरेजेस को हेल्थ ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक कैटेगिरी से हटाना होगा. यह भी कहा गया कि एनर्जी ड्रिंक की बिक्री लगभग 50 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रही है. इसमें चीनी की स्वीकार्य से अधिक मात्रा होने से युवाओं में इसकी बढ़ती खपत चिंताजनक है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

शरद पवार को बेटी लाडली, बहू को बताते हैं 'बाहरी'

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने ऐसी अनुदार मानसिकता का परिचय दिया है जो बेटी और बहू में फर्क करती है. उन्होंने अपने भतीजे अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा को 'बाहरी' करार दिया है. क्या बहू को 'बाहरी' कहना अच्छी बात है?

हमने कहा, बहू हमेशा बाहर से ही लाई जाती है. वह जिस घर में शादी होकर जाती है, हमेशा के लिए वहां की हो जाती है. पति की वजह से उसके नए नाते जुड़ जाते हैं जैसे कि सास-ससुर, जेठ-जेठानी, देवर- देवरानी, ननद-ननदोई, मामा ससुर, काका ससुर, मामी सास, काकी सास. वह कुछ बच्चों की काकी, मामी बन जाती है. पति के छोटे भाइयों व बहनों की भाभी कहलाती है. इन सारे संबंधों की वजह से वह बाहरी नहीं रह जाती. वह कुलवधु या गृहलक्ष्मी बन जाती है. वह अपने संस्कार व भाग्य साथ लेकर आती है जिससे उसके पति का अभ्युदय होता है. यदि बहू को बाहरी मान लिया जाए तो उस तर्क से मां, दादी या अन्य महिलाएं भी बाहरी हुईं जो कुल में आकर मिलती चली गईं.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, राजनीति में इतना सूक्ष्म चिंतन नहीं होता. शरद पवार अपनी बेटी सुप्रिया से अपनापन जताते हुए सुनेत्रा को बाहरी कह रहे हैं जबकि विवाह के बाद बेटी का ससुराल से नाता जुड़ जाता है. सुप्रिया के साथ उनके पति का सरनेम 'सुले' जुड़ा हुआ है. आजकल कुछ महिलाएं मायके और ससुराल दोनों का सरनेम लगाती हैं और दोनों घरानों को समान महत्व देती हैं. आपने कहीं कुमुद संघवी चावरे जैसा नाम पढ़ा होगा. यह अच्छी बात है जिसे एप्रेशिएट करनो चाहिए. हमने कहा, बहू की वजह से वंश आगे बढ़ता है. वह माता-पिता का घर छोड़ ससुराल को अपना घर बना लेती है. उसे 'बाहरी' कहकर तिरस्कार करना अनुचित है. बहू के रूप में पली-पलाई बेटी घर में आती है जहां वह हिलमिल जाती है. इसी पारिवारिक एकता को समझाने के लिए एकता कपूर ने टीवी सीरियल बनाया था- 'क्यूंकि सास भी कभी बहू थी'. इसमें आदर्श बहू तुलसी की भूमिका स्मृति ईरानी ने बखूबी की थी. यदि शरद पवार यह सीरियल देखें तो बहू को 'बाहरी' नहीं कहेंगे.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11517 - डॉ. सागर खादीवाला

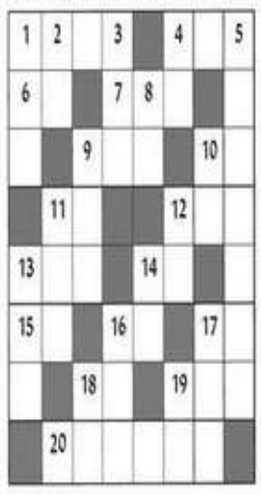

ऊपर से नीचे
1. पचास सजातीय वस्तुओं का योग या मिश्रण, 2. किसी शब्द या वाक्य का बार बार उच्चारण, 3. विष्णु (सं.), 4. सूत कातने के लिये बनायी गई रुई की बत्ती, 5. रसायन शास्त्र का ज्ञाता, 8. हृदय, मन (उर्दू), 9. बदसूरत, 10. इज्जत, आबरू, 11. संख्या, गिनती (उर्दू), 12. शराब, सुरा, 13. जो कहा न जा सके, 14. थका हारा, 16. शांति (उर्दू), 17. वस्त्र, 18. प्रदान, देना, खैरात, 19. रण, युद्ध, जंगल.

बाएं से दाएं
1. वृत्त की परिधि या गोलाई बनाने-नापने आदि का दो भुजाओं का एक आला (उर्दू), 4. छोटा तालाब, 6. चटवटी वस्तु, व्यसन, लालसा, 7. पृथ्वी (सं.), 9. प्रवीण, निपुण, 10. आमदनी, 11. प्रारंभ, 12. सोचना, विचार करना, 13. अपरिमित, 14. जिसमें कविता के चरण हो, कविता, 15. हाथ, टैक्स, किरण, 16. डूबना (सं.), 17. कपड़े, 18. मूल्य, 19. रसिक, रसमर्मज्ञ, 20. अतिशीघ्र, तुरन्त.

Solution 11516

पो	स्ट	का	र्ड		क	स	क
र		ति		म	हा	र	त
बं	गा	ल		ग		का	रा
द	र		मं	ध	का	र	
र	त	त	गा		श्त		क
		वा	र	दा	त		बू
ग	वा	ह		व	का	ल	त
	त	र	ब	त	र		र

ज्योतिषाचार्य पं. नारायणशंकर नाथूराम व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, यात्रा का योग है, व्यय में कमी होगी, व्यवसाय में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में परिश्रम के उपरांत आंशिक सफलता प्राप्त होगी, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, अत्याधिक व्यय होगा, वर्षके अन्त में राजनैतिक लाभ के योग हैं, व्यवसाय में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को परिश्रम के उपरांत लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम करना पडेगा, पर लाभ कम होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक लाभ होगा,सिंह राशि के व्यक्तियों को सहयोगरहेगा, मकर और कुंभ राशि की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अच्छे लाभ का योग है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सहयोग प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील कोमल भावुक परोपकारी तथा बुद्धिमान होगा. आकर्षक व्यक्तित्व का होगा. शिक्षा उत्तम रहेगी. अपने उद्देश्यों की पूर्ति करेगा. लगनशील और सत्यवादी होगा. यात्राप्रिय रहेगा.

मेष- कार्य की अधिकता रहेगी. शरीर में थकान महसूस होगी. संबंधों में मधुरता आयेगी. राजनैतिक सहयोग बना रहेगा. साहस बढ़ेगा.

वृषभ- जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. व्यर्थ की परेशानी से बचें. दूर दराज की यात्रा हो सकती है. मित्रता लाभदायक एवं सहयोगी रहेगी.

मिथुन- नौकरी में उत्तरदायित्व बढ़ेगे. आमदानी के जरिये एक से अधिक होंगें. कार्य की रूपरेखा पर विचार विमर्श हो सकता है. शुभ संदेश मिलेगा.

कर्क- कोई ऐसी बात मालुम होगी, जिससे मानसिक प्रसन्नता रहेगी. मित्र के संबंध में प्रिय समाचार मिलेगा. मान सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

सिंह- मान सम्मान बढ़ेगा. उपहार या लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा. उठाईगीरों से सावधानी रखे. परिश्रम अधिक करना पड़ सकती है. लाभ होगा.

कन्या- मैत्री संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिसकी आपको प्रतीक्षा है, उस कार्य में सफलता मिलेगी. धार्मिक यात्रा होगी. व्ययभार की अधिकता रहेगी.

तुला- व्यवसायिक समस्याओं का निदान होगा. खरीदी बिक्री के कार्यों में सावधानी बांछनीय. यश, मान-सम्मान मिलेगा. गुमी वस्तु मिलने से प्रसन्नता होगी.

वृश्चिक- आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी. शुभ संदेश प्राप्त होने का योग है. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. दस्तकारी कार्यों में व्ययभार अधिक होगा.

धनु- पारिवारिक कार्यों मे व्यस्तता रहेगी. आर्थिक मामलों में बुजुर्गो की सलाह उपयोगी रहेगी. संतान के कार्य में विशेष ध्यान देकर कार्य करना लाभकारी रहेगा.

मकर- छोटी सी बात पर उत्तेजित होकर अपना कार्य न बिगाड़ें. संबंधों में कड़वाहट आ सकती है. किसी अभिन्न मित्र से भेंटवार्ता होगी. हर्ष रहेगा.

कुम्भ- आय का नया मार्ग प्रशस्त होगा. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है. पारिवारिक संबंधों में मधुरता रहेगी. संदेश मिलेगा.

मीन- परिश्रम अधिक करना पड़ेगा. साझेदारी में कोई भी कार्य न करना आपके लिये हितकर रहेगा. मान सम्मान मिलेगा. सहयोग बना रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

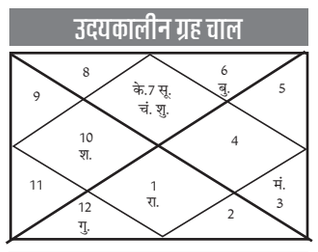

पंचांग

रा.मि. 27 संवत् 2081 चैत्र शुक्ल अष्टमीं भौमवासरे शाम 4/16, पुनर्वसु नक्षत्रे प्रात: 6/9, धृति योगे रात 1/52, वव करणे सू.उ. 5/41 सू.अ. 6/19, चन्द्रचार कर्क, शु.रा. 4, 6, 7, 10, 11, 2 अ.रा. 5, 8, 9, 12, 1, 3 शुभांक- 6, 8, 2.

व्यापार भविष्य

चैत्र शुक्ल अष्टमीं को पुनर्वसु नक्षत्र के प्रभाव से अलसी, सूरजमुखी, सोना, चांदी, मिर्च, कपास, के भाव में मंदी होगी. जायफ्ल, अजवाईन, धनियां, के भाव में तेजी होगी. वायदा विचार आज 11 बजकर 53 मिनिट से 16 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक- 5634 है.

SUDOKU 6649

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 6648

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9